Kendriya Vidyalaya N.A.D. Karanja

Autumn Break Holiday Homework 2022-2023

Class :- 10 (A/B)

Subject :- English

ACTIVITY-1

· Prepare a book jacket using an A3 sheet.

· Make a collage of author with the date of birth on the cover page. Write a quote of the author along with the picture. Give a title to your book.

ACTIVITY-2

Prepare mind map of 2nd term lessons from Glimpses of India till The Proposal

Subject :- Hindi (हिंदी)

1 निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही विकल्प चुनकर उत्तर लिखिए

पड़ोस सामाजिक जीवन के ताने-बाने का महत्त्वपूर्ण आधार है। दरअसल पड़ोस जितना स्वाभाविक है, हमारी सामाजिक सुरक्षा के लिए तथा सामाजिक जीवन की समस्त आनंदपूर्ण गतिविधियों के लिए वह उतना ही आवश्यक भी है। यह सच है कि पड़ोसी का चुनाव हमारे हाथ में नहीं होता, इसलिए पड़ोसी के साथ कुछ-न-कुछ सामंजस्य तो बिठाना ही पड़ता है। हमारा पड़ोसी अमीर हो या ग़रीब, उसके साथ संबंध रखना सदैव हमारे हित में होता है। पड़ोसी से परहेज करना अथवा उससे कटे-कटे रहने में अपनी ही हानि है, क्योंकि किसी भी आकस्मिक आपदा अथवा आवश्यकता के समय अपने रिश्तेदारों तथा परिवारवालों को बुलाने में समय लगता है। ऐसे में पड़ोसी ही सबसे अधिक विश्वस्त सहायक हो सकता है। पड़ोसी चाहे कैसा भी हो, उससे अच्छे संबंध रखने चाहिए। जो अपने पड़ोसी से प्यार नहीं कर सकता, उससे सहानुभूति नहीं रख सकता, उसके सुख-दुःख का आदान-प्रदान नहीं कर सकता तथा उसके शोक और आनंद के क्षणों में शामिल नहीं हो सकता, वह भला अपने समाज अथवा देश के साथ भावनात्मक रूप से कैसे जुड़ेगा। विश्व-बंधुत्व की बात भी तभी मायने रखती है, जब हम अपने पड़ोसी से निभाना सीखें।

1.आधार किसे बताया है?

(क) परिवार (ख) विद्यालय।

(ग) पड़ोस।　　　　　　　　(घ) इनमें से कोई नहीं।

2. लेखक ने पड़ोसी को किसकी उपमा दी है?

(क) गुणी वक्ता की।　　　　　　　　(ख) तारणहार की।

(ग) विश्वस्त सहायक की।　　　　　　(घ) कामचोर की।

3. हमें पड़ोसी से निभाने के लिए क्या-क्या करना चाहिए?

(क) उसके साथ प्रेमपूर्ण व्यवहार करना चाहिए।

(ख) उनके सुख तथा आनंद के क्षणों में शामिल होना चाहिए।

(ग) दुःख में उनसे सच्ची सहानुभूति रखते हुए सहयोग प्रदान करना चाहिए।

(घ) उपर्युक्त सभी।

4. लेखक ने विश्व-बंधुत्व की बात किस संदर्भ में की है ?

(क) महापुरुषों के।　　　　　　　　(ख) पड़ोसी के।

(ग) धर्म के।　　　　　　　　　　(घ) उत्सवों के।

5 पड़ोसी के साथ संबंध रखना हमारे हित में किस तरह से है? 4.

(क) आकस्मिक आपदा या आवश्यकता के समय हमारे काम आता है।

(ख) हमारे घर पर सदैव निगाह लगाए रखता है।

(ग) हमारी बुराइयाँ जग जाहिर करता रहता है।

(घ) कहीं आते-जाते हमें टोकता रहता है।

2. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही विकल्प चुनकर उत्तर लिखिए

आजकल दूरदर्शन पर आने वाले धारावाहिक देखने का प्रचलन बढ़ गया है। बाल्यावस्था में यह शौक हानिकारक है। दूरदर्शन पर दिखाए जाने वाले धारावाहिक निम्न स्तर के होते हैं, उनमें अश्लीलता, अनास्था, फैशन तथा नैतिक बुराइयाँ ही अधिक देखने को मिलती हैं। छोटे बालक मानसिक रूप से परिपक्व नहीं होते। इस उम्र में वे जो भी देखते हैं उसका प्रभाव उनके दिमाग पर अंकित हो जाता है। बुरी आदतों को वे शीघ्र ही अपना लेते हैं। समाजशास्त्रियों के एक वर्ग का मानना है कि समाज में चारों ओर फैली बुराइयों का एक बड़ा कारण दूरदर्शन तथा चलचित्र भी हैं। दूरदर्शन से आत्मसीमितता, जड़ता, पंगुता, अकेलापन आदि दोष बढ़े हैं। बिना समय की पाबंदी के घंटों दूरदर्शन के साथ चिपके रहना बिलकुल गलत है। इससे मानसिक विकास रुक सकता है, नज़र कमजोर हो सकती है और तनाव बढ़ सकता है।

1. आजकल दूरदर्शन के धारावाहिकों का स्तर कैसा है ?

(क) उच्च।　　　　　　　　　　(ख) मध्य।

(ग) निम्न।　　　　　　　　　　(घ) ये सभी।

2. दूरदर्शन का दुष्प्रभाव किस पर अधिक पड़ता है और क्यों ?

(क) बच्चों होते। पर, क्योंकि बच्चे मानसिक रूप से परिपक्व नहीं

(ख) युवाओं पर, क्योंकि युवा मानसिक रूप से परिपक्व होते हैं।

(ग) वृद्धों पर, क्योंकि बुढ़ापे में मानसिक रूप से कमज़ोर हो जाते हैं।

(घ) उपर्युक्त में से कोई नहीं।

3. दूरदर्शन के क्या-क्या दुष्प्रभाव हैं?

(क) समय की बर्बादी, अकेलापन, समय की पाबंदी आदि ।

(ख) समय की पाबंदी, आत्मसीमितता, मानसिक विकास . कमज़ोर होना आदि ।

(ग) समय का महत्त्व, तनाव बढ़ना, मानसिक विकास रुकना आदि।

(घ) समय की बर्बादी, मानसिक विकास रुकना, आत्मसीमितता, जड़ता, पंगुता, अकेलापन आदि ।

4. बाल्यावस्था शब्द का संधि-विच्छेद कीजिए।

(क) बाल्या + वस्था ।   (ख) बाल्य + अवस्था ।

(ग) बाल्याव + स्था   (घ) बाल्या + अवस्था ।

5. उपर्युक्त गद्यांश के लिए उपयुक्त शीर्षक लिखिए।

(क) दूरदर्शन से लाभ ।   (ख) दूरदर्शन का दुष्प्रभाव ।

(ग) दूरदर्शन से हानि।   (घ) दूरदर्शन से नुकसान ।

3. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही विकल्प चुनकर उत्तर लिखिए

दार्शनिक अरस्तू ने कहा है- "प्रत्येक व्यक्ति को उचित समय पर, उचित व्यक्ति से, उचित मात्रा में, उचित उद्देश्य के लिए, उचित ढंग से व्यवहार करना चाहिए।" वास्तव में प्रत्येक प्राणी का संबंध एक-एक क्षण से रहता है, किन्तु व्यक्ति उसका महत्त्व नहीं समझता। अधिकतर व्यक्ति सोचते हैं कि कोई अच्छा समय आएगा तो काम करेंगे। इस दुविधा और उधेड़बुन में वे जीवन के अनेक अमूल्य क्षणों को खो देते हैं। किसी व्यक्ति को बिना हाथ-पाँव हिलाए संसार की बहुत बड़ी सम्पत्ति छप्पर फाड़कर कभी नहीं मिलती। समय उन्हीं के रथ के घोड़ों को हाँकता है, जो भाग्य के भरोसे बैठना पौरुष का अपमान समझते हैं। जो व्यक्ति श्रम और समय का पारखी होता है, लक्ष्मी भी उसी का वरण करती है। समय की कीमत न पहचानने वाले समय बीत जाने पर सिर धुनते रह जाते हैं। समय निरंतर गतिमान है, इसलिए हमें समय का मूल्य समझना चाहिए। साथ ही समयानुसार काम भी करना चाहिए। सफल जीवन की यही कुंजी है ।

1. जीवन के अमूल्य क्षणों को किस प्रकार के व्यक्ति खो देते हैं?

(क) प्रत्येक क्षण के महत्त्व को न समझने वाले।

(ख) अच्छे समय की प्रतीक्षा करने वाले।

(ग) दुविधा और उधेड़बुन में लगे रहने वाले।

(घ) ये सभ

2. भाग्य के भरोसे बैठना पौरुष का अपमान कहा गया है। क्योंकि

(क) ऐसा व्यक्ति जीवन में प्रगति कर सकता है।

(ख) ऐसा व्यक्ति जीवन में उन्नति कर सकता है।

(ग) ऐसा व्यक्ति जीवन में पौरुष का अपमान कर सकता है।

(घ) ऐसा व्यक्ति जीवन में प्रगति नहीं कर सकता।

3. लक्ष्मी किसे प्राप्त होती है?

(क) कायर व्यक्ति को। (ख) भाग्य के भरोसे बैठने वाले को।

(ग) परिश्रम करने वाले को (घ) श्रम और समय के पारखी व्यक्ति को।

4.सफल जीवन की कुंजी क्या है?

(क) समय का मूल्य न पहचानना

(ख) समय का गतिशील होना।

(ग) समय का मूल्य पहचान कर समय पर कार्य करना।

(घ) इनमें में से कोई नहीं।

5. उपर्युक्त गद्यांश के लिए उपयुक्त शीर्षक दीजिए।

(क) समय का महत्त्व (ख) समय और जीवन।

(ग) समय का उपयोग। (घ) ये सभी।

4. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही विकल्प चुनकर उत्तर लिखिए

जिसके जीवन में जितने अधिक दुःख होते हैं वह उतना ही सबल होकर सुख की यात्रा पर निकलता है, क्योंकि दुःख विपरीत स्थितियों से जूझने की क्षमता का विकास कर हमारी ऊर्जा को जगाते हैं। कभी-कभी मौसम में बड़ी विषमता दिखाई देती है। गर्मियों में वर्षा हो जाती है और शीतल वायु मौसम को सुहावना बना देती है। कई बार बरसात के मौसम में बादलों का नामोनिशान तक नहीं रहता। कभी सर्दी के मौसम में ठंड और कोहरे से निजात मिल जाती है। मौसम की यह प्रतिकूलता हमारे अहित में नहीं होती। यही बात मनुष्य के जीवन में सुख-दुःख के संबंध में उतनी ही सटीक है। व्यक्ति तथा समाज दोनों के विकास के लिए परस्पर विरोधी भावों का होना अनिवार्य है। ग्रीष्म हो या वर्षा, पतझड़ हो या वसंत, वे एक-दूसरे के विरोधी नहीं, अपितु पूरक हैं। एक के अभाव में दूसरे में आनंद कहाँ ? सुख की अनुभूति के लिए दुःख की अनुभूति होनी आवश्यक है। इसके द्वारा हमारे अंदर की ऊर्जा जागती है। दुःख से कोई भाग नहीं सकता, • उससे जूझना ही पड़ता है। पहिये की तीलियों की भाँति सुख-दुःख ऊपर-नीचे होते हैं। जीवन भी चक्र ही है और चक्र टिकता नहीं, गतिशील रहता है।

1. मनुष्य दुःखों का सामना करने से सबल कैसे बन जाता है?

(क) विपरीत परिस्थितियों से जूझने की क्षमता का विकास होता है।

(ख) दुःखों का सामना करने से हमारी ऊर्जा जाग्रत नहीं होती है।

(ग) सुख-दुःख में समान रहने की क्षमता नहीं मिलती है।

(घ) उपर्युक्त में से कोई नहीं।

2. सुख की अनुभूति के लिए क्या आवश्यक है और क्यों?

(क) दुःख की अनुभूति होना आवश्यक नहीं है।

(ख) दुःख की अनुभूति से हमारे अंदर ऊर्जा जाग्रत कभी नहीं होती है।

(ग) दुःख की अनुभूति से परिस्थितियों से जूझने की क्षमता मिलती है।

(घ) उपर्युक्त में से कोई नहीं।

3.पहिये का उल्लेख क्यों किया गया है?

(क) पहिया टिकता नहीं, वह सदैव गतिशील रहता है।

(ख) पहिये की तरह जीवन एक चक्र नहीं है।

(ग) पहिये की तीलियों की भाँति सुख-दुःख ऊपर नीचे नहीं होते हैं।

(घ) उपर्युक्त में से कोई नहीं।

4.उपर्युक्त गद्यांश के लिए उपयुक्त शीर्षक दीजिए 4.

(क) दुःख-सुख दोनों जीवन के पूरक।

(ख) सुख-दुःख : एक मौसम।

(ग) सुख-दुःख भरा जीवन। (घ) ये सभी।

5.मनुष्य के जीवन में कौन-सी बात सटीक है?

(क) सुख-दुःख दोनों का आना अहितकारी नहीं है।

(ख) मौसम की प्रतिकूलता हमारे हित में नहीं है।

(ग) मनुष्य के जीवन में सुख-दुःख का संबंध है। (घ) उपर्युक्त सभी।

5.निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के लिए सही विकल्प चुनकर लिखिए

टकराएगा नहीं आज उद्धत लहरों से,
कौन ज्वार फिर तुझे पार तक पहुँचाएगा ?
अब तक धरती अचल रही पैरों के नीचे,
फूलों की दे ओट सुरभि के घेरे खींचे,
पर पहुँचेगा पथी दूसरे तट पर उस दिन,
जब चरणों के नीचे सागर लहराएगा।
गर्त शिखर बन, उठे लिए भंवरों का मेला,
हुए पिघल ज्योतिष्क तिमिर की निश्छल बेला,
तू मोती के द्वीप स्वप्न में रहा खोजता,
तब तो बहता समय शिला-सा जम जाएगा।
धूल पोंछ काँटे मत गिन छाले मत सहला,
मत ठंडे संकल्प आंसुओं से तू बहला,
तुझसे हो यदि अग्नि-स्नात यह प्रलय महोत्सव,

तभी मरण का स्वस्ति-गान जीवन गाएगा। कौन ज्वार फिर तुझे दिवस तक पहुँचाएगा?

टकराएगा नहीं आज उन्मद लहरों से,

1. दिये काव्यांश का क्या उद्देश्य प्रतीत होता है?

(क) आत्मविश्वास जगाने हेतु दृष्टांत प्रस्तुति

(ख) हर हाल में कार्य करने की प्रेरणा।

(ग) जागृति व उत्साहित करने हेतु प्रेरणा।

(घ) जीवन दर्शन के विषय में प्रोत्साहन।

2. तू मोती के द्वीप स्वप्न में रहा खोजता -पंक्ति का भाव है

(क) मोतियों के समान आंसुओं को स्वप्न में आने वाले सुंदर द्वीपों पर नष्ट नहीं करना चाहिए।

(ख) मोती के द्वीप खोजने के लिए सागर में दूर-दूर जाकर कष्टदायी विचरण करना होगा।

(ग) जीवन संसाधनों के लिए यथार्थ में रहकर प्रयत्न करना होगा।

(घ) यदि ऐसा होगा तो जीवन शिला-सा जम जाएगा।

3. तुझसे हो यदि अग्नि स्नात - पंक्ति का अर्थ है

(क) यदि तुम जीवन की कष्टतम परिस्थिति झेल लोगे तो जीवन तुम्हारे बलिदान की प्रशंसा करेगा।

(ख) यदि तुम आग के दरिया में डूबकर जाने को तैयार हो तो जीवन-मरण के बंधन से मुक्त हो सकोगे।

(ग) जीवन प्रलय के महोत्सव में आग लगाने वाला ही सफलतम वीर कहलाएगा।

(घ) तुम जीवन में बलिदान करोगे तो जग सदा तुम्हारे जीवन की सराहना करेगा।

4. समय को गतिशील करने के लिए क्या आवश्यक है?

(क) समय का सदुपयोग कर मानव कल्याण में लगे रहना।

(ख) तुच्छ कार्यों में संलग्न न रहकर समय नष्ट होने से बचाना।

(ग) अपने हाल की परवाह न करते हुए सकारात्मक भाव से कार्य करते रहना।

(घ) 'टाल-मटोल-समय का चोर' कथनानुसार स्वस्ति (शुभ) कार्य करने में टाल-मटोल न करना।

5. काव्यांश के अनुसार, 'फूलों की ओट व सुरभि के घेरे'- व्यक्ति के जीवन में क्या कार्य कर सकते हैं?

(क) वे व्यक्ति के जीवन को अपनी सुगंध से शांत व एकाग्र कर सकते हैं।

(ख) वे अपने औषधीय गुणों से व्यक्ति का जीवन व्याधिमुक्त कर सकते हैं।

(ग) वे उसे लक्ष्य प्राप्ति के मार्ग से विचलित कर सकते हैं।

(घ) फूल उर्वरता व समृद्धि का प्रतीक हैं। वे जीवन में ईश्वर के प्रति निकटता लाने में सहायक हो सकते हैं।

6.निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के लिए सही विकल्प चुनकर लिखिए

कोलाहल हो

या सन्नाटा कविता सदा सृजन करती है
जब भी आँसू हुआ पराजित,
यात्राएँ जब मौन हो गईं
कविता सदा जंग लड़ती है
जब भी कर्ता हुआ अकर्ता
कविता ने जीना सिखलाया
कविता ने चलना सिखलाया
जब भी तम का जुल्म बढ़ा है,
कविता नया सूर्य गढ़ती है,
जब गीतों की फसलें लुटतीं
शीलहरण होता कलियों का,
शब्दहीन जब हुई चेतना
तब-तब चैन लुटा गलियों का
अपने भी हो गए पराए
यों झूठे अनुबंध हो गए
घर में ही वनवास हो रहा
यों गूंगे संबंध हो गए।

1. कविता को सृजनात्मक कहा गया है क्योंकि कविता
(क) हर परिस्थिति में सृजक की भूमिका निभाती है।
(ख) गुणों की सराहना करती है।
(ग) मौन यात्रा कराती है।
(घ) कवि का विश्वास दृढ़ करती है।

2 'कविता सदा जंग लड़ती है' का भाव है
(क) कविता में हारे हुए को सांत्वना देने की क्षमता है।
(ख) कविता संघर्ष की प्रेरणा देती है।
(ग) कविता चुनौती स्वीकार करने को बाध्य करती है।
(घ) कविता आनंद देती है।

3. कविता जीना कब सिखाती है?
(क) जब कर्मठ अकर्मण्य हो जाता है।
(ख) जब लोग मौन साध लेते हैं।
(ग) जब लोग हार जाते हैं।
(घ) जब लोग संन्यास लेने की सोचने लगते हैं।

4 जब निराशा और अंधकार पाँव पसारता है तब प्रेरणा कहाँ

(क) स्वयं से। (ख) समस्याओं से ।

(ग) लोगों से। (घ) कविता से

5. 'परस्पर संबंधों में दूरियाँ बढ़ने लगीं' यह भाव किस पंक्ति में आया है?

(क) यूँ गूँगे संबंध हो गए (ख) शब्दहीन हुई अब चेतना

(ग) यात्राएँ जब मौन हो गईं (घ) जब गीतों की फसलें लुटतीं

7. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के लिए सही विकल्प चुनकर लिखिए

बहुत घुटन है बंद घरों में, खुली हवा तो आने दो,
संशय की खिड़कियाँ खोल, किरनों को मुस्काने दो।
ऊँचे-ऊँचे भवन उठ रहे, पर आँगन का नाम नहीं,
चमक-दमक, आपा-धापी है, पर जीवन का नाम नहीं,
लौट न जाए सूर्य द्वार से, नया संदेशा लाने दो।
हर माँ अपना राम जोहती, कटता क्यों वनवास नहीं
मेहनत की सीता भी भूखी, रुकता क्यों उपवास नहीं।
बाबा की सूनी आँखों में चुभता, तिमिर भागने दो ।
हर उदास राखी गुहारती, भाई का वह प्यार कहाँ ?
डरे-डरे रिश्ते भी कहते, अपनों का संसार कहाँ ?
गुमसुम गलियों को मिलने दो, खुशबू तो बिखराने दो।

1. सूर्य द्वार से ही क्यों लौट जाएगा?

(क) ऊँचे भवन होने के कारण।

(ख) आँगन न होने के कारण।

(ग) बाहरी चमक-दमक व दिखावे के कारण।

(घ) ये सभी। उत्तर-विकल्प

2. आज रिश्तों के डरे-डरे होने का कारण आप क्या मा

(क) अपनेपन की कमी के कारण।

(ख) आतंक व भय का महौल होने के कारण।

(ग) भूख और बेकारी के कारण।

(घ) पर्यावरण प्रदूषण के कारण।

3. 'तिमिर' शब्द का अर्थ काव्यं पंक्ति के संदर्भ में

(क) अकेलापन |

(ख) उदासी ।

(ग) दुःख।

(घ) बीमारी।

4. 'संशय की खिड़कियाँ खोल' में अलंकार है

(क) उपमा। (ख) रूपक।

(ग) यमक। (घ) श्लेष।

5. कवि ने क्या संदेश दिया है?

(क) खुले खुले घर बनाने का।

(ख) आँगन से युक्त घर बनाने का।

(ग) मेलजोल बढ़ाने का।

(घ) इनमें से कोई नहीं

8. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही विकल्प चुनकर लिखिए

मेरा माँझी मुझसे कहता रहता था।
मैं इनसे जितना ही बचकर चलता हूँ।
बिना बात तुम नहीं किसी से टकराना।
उतनी ही मिलती हैं, ये ग्रीवा ताने।
पर जो बार-बार बाधा बन के आएँ,
रख अपनी पतवार, कुदाली को लेकर
उनके सिर को वहीं कुचल कर बढ़ जाना।
तब मैं इनका उन्नत भाल झुकाता हूँ,
जानबूझ कर जो मेरे पथ में आती हैं,
जीवन की नैया का चतुर खिवैया
मैं भवसागर की चलती-फिरती चट्टानें।
भवसागर में नाव बढ़ाए जाता हूँ।

1. कवि ने अपना माँझी किसे कहा है?

(क) पुत्र को। (ख) ईश्वर को।

(ग) आत्मबल को। (घ) ये सभी।

2. 'उन्नत भाल' का क्या आशय है?

(क) बाधाओं का विकराल रूप।

(ख) ऊँचा पहाड़।

(ग) गर्व से भरा व्यक्ति।

(घ) सफलता से युक्त जीवन।

3. कवि ने हमें क्या प्रेरणा दी है?

(क) परोपकार का भाव अपनाने की।

(ख) सत्य के मार्ग पर चलने की।

(ग) बाधाओं को पार कर मंजिल की ओर बढ़ने की।

(घ) उच्च शिक्षा प्राप्त करने की।

4. 'जीवन की नैया का चतुर खिवैया' कवि ने किसे कहा है?

(क) नाविक को।

(ख) गुरु को

(ग) परमात्मा को। (घ) स्वयं को

5. 'मेरा माँझी मुझसे कहता' में अलंकार है

(क) अनुप्रास।

(ख) यमक।

(ग) उपमा।

(घ) मानवीकरण।

9. आपका मित्र पढाई में बहुत अच्छा हैं , लेकिन किताबी कीड़ा बनकर रह गया हैं| उसे अन्य गतिविधियों में भी सक्रिय होने की आवश्यकता और लाभों के विषय में बताते हुए लगभग 120 शब्दों में एक पत्र लिखिए-

....
....
....
....
....
....
....
....
....
....
....
....
....
....
....
....
....
....
....
....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

10 आपके क्षेत्र की सड़के बदहाल अवस्था में हैं जिसके कारण आए दिन दुर्घटनाएँ होती रहती हैं| उसकी जानकारी देते हुए उपयुक्त कार्यवाही हेतु शहरी/ग्रामीण विकास मंत्री को पत्र लिखिए-

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

11 आप पाखी/पंकज हैं जो एक मैनेजमेंट कॉलेज में पढ़ रहे हैं। आपके छोटे भाई/बहन की दसवी की परीक्षा है। उसे लगभग 120 शब्दों में पत्र लिखकर परीक्षा की तैयारी के विषय में समझाइए

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

12 आप सुशील / सुशीला हैं और एक रिहायशी सोसायटी में रहते हैं। इसमें किसी घर में एक व्यक्ति ने दफ्तर खोल लिया है। उससे होने वाली असुविधा के बारे में बताते हुए और रिहायशी सोसायटी के नियमों से उसे अवगत कराने का अनुरोध करते हुए सोसायटी के संचिव को लगभग 120 शब्दों में पत्र लिखिए।

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....
....
....
....
....
....
....
....
....
....
....
....
....
....

Subject :- Sanskrit (संस्कृत)

अंकयोजना एवं पाठ्यक्रम अनुसारेण खण्डानुसारेण कार्यपत्र एवं अभ्यासकार्य

खण्ड क   अपठित अवबोधनम्

प्रश्न 1 अधोलिखितम् अनुच्छेदं पठित्वा प्रदत्त प्रश्नानाम् उत्तराणि लिखत

वने एकः भिक्षुकः वसति।सः प्रतिदिनम् भिक्षायै नगरं गच्छति।एकदा एका महिला तस्मै विषाक्ताम् रोटिकां यच्छति।सः तां रोटिकां कुटीरं नयति।मध्याह्ने एकः बालःवने सूर्यस्य तापेन मूर्छितः भवति।सः भिक्षुकः चिन्तयति यत् सः क्षुधा पीडितः अस्ति सः तां रोटिकां तस्मै यच्छति। सः तस्मै जलम् अपि यच्छति।सः बालः जलं पिबति रोटिकां च खादति। यदा सः रोटिकां खादति तदा एव प्राणान् त्यजति। तदा तस्य अम्बा आगच्छति। तस्य अम्बा तु सा एव महिला भवति या तस्यैः भिक्षुकैः रोटिकां यच्छति। जनाः तु सत्यं कथयन्ति " यथा कर्मं तथा फलम्च्च्।

I एकपदेन उत्तरत

1 वने कः वसति ?   2 महिला विषाक्ताम् रोटिकां कस्मै यच्छति।?

3 तां रोटिकां कः खादति ?   4 प्राणान् कः त्यजति ?

II पूर्णवाक्येन उत्तरत

1 भिक्षुकः किं चिन्तयति ?

2 बालः प्राणान् कथं त्यजति ?

III भाषिककार्यम्

1 'असत्यम्' इति पदस्य विलोमपदं गद्यांशे किम् ?

2 'वसति' क्रियापदस्य कर्ता कः?

3 'रोटिकाम्' इत्यस्य विशेषणपदम् किम् ?

4 ' माता' इत्यर्थे किं पदम् अत्र प्रयुक्तम् ?

अनुवाद

1 हाथी गड्ढे में गिर गया । 2 हिरण प्यासा है ।

3 मैं किताब खरीदने के लिए जाऊँगी । 4 मेरा घर रास्ते के पास है ।

5 पत्र पढकर मैं प्रसन्न हो गई । 6 तोते का रंग हरा है ।

7 माता पुत्र पर गुस्सा करती है । 8 सीता राम के साथ जंगल में गई ।

9 दशरथ के चार पुत्र थे । 10 शिव का पुत्र गणेश है ।

Subject :- SST (Social Science)

Q1. Establish the relation among all sectors of Indian economy with suitable example.

Q2. Write about the evolution of money. Differentiate between Barter System and Money System.

Q3. What do you mean by Bretton Wood Institution? Critically examine the global role of it in context of developing countries of the world at present.

Q4. Should Political party be funded by state to contest election? Support your answer.

Q5. Define the following:

(a) Sexual division of Labour

(b) Coalition Government

(c) Ethnicity

(d) Communalism

(e) Feminist

(f) Community Government

Q6. 'Single Party System' emaciates the Federalism. How?

Q7. Write the criteria for 'National Party' and 'State Party' in India.

Q8. Which way of protest (between Gandhian way and radical way) would you like most against the colonial suppresser and why?

Q9. Prepare a scrap book/ wall magazine which consists of the 75 important places of Indian Freedom struggle.

10. Write an essay on "Children Abuse". (200 words)

Or,

"A child is the father of nation' Critically examine the statement. (200 words)

Subject :- Maths

1. Solve the sample paper provided by CBSE.
2. Make a working model of Clinometer.

Subject :- Science

1. Prepare a portfolio.
2. Practice sample papers
3. Prepare a question bank of 50 questions.
4. Practice diagram from the list provided.

Subject :- Computer

Sr. No.	Topic
1.	What is Flash? What is the use of Flash? Also write the difference between Flash and Photoshop.

2.	What is the main goal of Cyber Security ? and What are the main advantages of cyber Security ?
3.	Define the following :- TCP/IP, HTTP, Domain Name, IP Address, WWW
4.	Write all shortcuts from A to Z with CTRL key, CTRL + SHIFT and other CTRL Shortcuts
5.	Write Do's and Don'ts while working on computer in lab/ in home.

Subject :- Library

Write your Autobiography.

Subject :- Physical and Health Education (Games and Sports)

30 Minutes physical fitness exercises daily work out – and any one brain game ie- Chess, Cross word, and Rubiks cube etc.
Individual games skill practice- ie- Vollyball, Football, Basket ball, Football, Badminton, Skipping rope, indigenous games- Kho-Kho, Kabaddi, lotto, Gilli danda, Five stones, Lagori – etc if safe space available in your home and under parents observation.

Yoga- Sitting Yoga Asana, Standing Yoga Asana, Pranayam- Uddigadha(omkar jap) pranayama , Anulom-Vilom, Brastika, Kapalbhati, Bramri Pranayam (under parents observation or Yoga expert)

Write down any five rules and regulation of only one game as your choice on your note book and draw the diagram with showing measurement (to make chart) any one play field (court) ie- Football, Kbaddi, Kho-kho, Basket ball , Cricket , Badminton etc as your choice and submit home work report and chart in sports dept. after vacation.
Strictly follow the guideline by govt.regarding Covid-19

WISH YOU ALL THE BEST

STAY SAFE,

BE HAPPY AND HEALTHY

Submit holiday homework on first day of reopening of the Vidyalaya